RNI No#MPBIL/2013/49052

INVESTMENT AVENUES®

इन्वेस्टमेंट ऐवेन्यूस

भोपाल, शनिवार 28 फरवरी से 6 मार्च 2026 | भोपाल , मध्यप्रदेश से प्रकाशित | वर्ष- 13 | अंक-81 | पृष्ठ- 8 | मूल्य- रु. 5 /-

भारत की GDP Q3FY26 में 8.1% बढ़ सकती है, वैश्विक चुनौतियों के बावजूद: SBI रिपोर्ट

मजबूत घरेलू मांग, सरकारी खर्च और ग्रामीण रिकवरी से ग्रोथ को बल; RBI की मौद्रिक नीति से भी सहायता, FY26 में 7%+ विकास संभव

नई दिल्ली: भारतीय स्टेट बैंक (SBI) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत की GDP तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2025) में 8.1% की दर से बढ़ सकती है। वैश्विक स्तर पर मंदी, भू-राजनीतिक तनाव और ऊर्जा कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद यह मजबूत प्रदर्शन घरेलू कारकों से संभव होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रामीण मांग में सुधार, त्योहारी सीजन की बिक्री, सरकारी पूंजीगत व्यय और निजी निवेश में तेजी से Q3 में ग्रोथ को गति मिलेगी।

SBI की रिपोर्ट के अनुसार, Q3 में कृषि क्षेत्र 4-5%, सेवा क्षेत्र 9-10% और मैन्युफैक्चरिंग 7-8% की दर से बढ़ सकता है। PMI इंडेक्स और ई-वे बिल डेटा भी मजबूत मांग का संकेत दे रहे हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में अच्छी फसल, MNREGA और MSP में बढ़ोतरी से उपभोग बढ़ा है। साथ ही, RBI की मौद्रिक नीति में रेपो रेट में कटौती की उम्मीद से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है।रिपोर्ट में अनुमान है कि FY26 में भारत की GDP 7-7.5% की दर से बढ़ सकती है, जो वैश्विक औसत से काफी बेहतर है। हालांकि, वैश्विक मंदी और निर्यात में संभावित कमी चुनौतियां बनी हुई हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर Q3 में 8% से अधिक ग्रोथ हुई तो FY26 का आंकड़ा 7.5% के करीब पहुंच सकता है।

यह रिपोर्ट भारत की आर्थिक लचीलापन और घरेलू मांग की ताकत को दर्शाती है। सरकार की इंफ्रा परियोजनाएं और PLI स्कीम भी विकास को सपोर्ट कर रही हैं। निवेशक और उद्योग जगत अब Q3 GDP आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं, जो मार्च 2026 में जारी होंगे।

कैबिनेट पैनल ने पावर ग्रिड की सहायक कंपनियों में इक्विटी निवेश सीमा बढ़ाई

₹15,000 करोड़ तक की अतिरिक्त इक्विटी निवेश की मंजूरी; ट्रांसमिशन इंफ्रा मजबूत होगा, हरित ऊर्जा परियोजनाओं को गति

भोपाल: केंद्र सरकार ने पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (POWERGRID) की सहायक कंपनियों में इक्विटी निवेश की सीमा बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। कैबिनेट की आर्थिक मामलों की समिति (CCEA) ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी, जिसके तहत POWERGRID अब अपनी सहायक कंपनियों में ₹15,000 करोड़ तक अतिरिक्त इक्विटी निवेश कर सकेगी। यह फैसला देश की बिजली ट्रांसमिशन क्षमता बढ़ाने और हरित ऊर्जा को ग्रिड से जोड़ने के लिए महत्वपूर्ण है।

POWERGRID की सहायक कंपनियां अंतर-राज्यीय और अंतर-क्षेत्रीय ट्रांसमिशन लाइनों, सबस्टेशन्स और ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर परियोजनाओं का संचालन करती हैं। बढ़ी हुई इक्विटी सीमा से कंपनी को नए प्रोजेक्ट्स के लिए फंडिंग आसानी से जुटाने में मदद मिलेगी। इससे रिन्यूएबल एनर्जी (सोलर, विंड और हाइड्रो) को ग्रिड से जोड़ने की प्रक्रिया तेज होगी और बिजली की उपलब्धता बढ़ेगी।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने कहा, यह निर्णय भारत के 500 GW नॉन-फॉसिल ऊर्जा लक्ष्य (2030) को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे ट्रांसमिशन नेटवर्क मजबूत होगा और बिजली की कमी वाले क्षेत्रों में सप्लाई बढ़ेगी। POWERGRID की कुल ट्रांसमिशन क्षमता वर्तमान में 1.8 लाख सर्किट किलोमीटर से अधिक है और यह देश का सबसे बड़ा ट्रांसमिशन नेटवर्क संचालित करती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम निजी निवेश को भी आकर्षित करेगा और PPP मॉडल में तेजी लाएगा। इससे POWERGRID की वित्तीय स्थिति मजबूत होगी और कंपनी नए प्रोजेक्ट्स में तेजी से काम कर सकेगी। यह फैसला 'आत्मनिर्भर भारत' और ऊर्जा सुरक्षा के लक्ष्यों को समर्थन देता है। POWERGRID के शेयर बाजार में 2% चढ़े।

अमेरिका ने भारतीय सोलर आयात पर 126% प्रारंभिक ड्यूटी लगाई: सोलर इंडस्ट्री को बड़ा झटका

2025 में भारत से 1.5 GW से अधिक सोलर मॉड्यूल निर्यात प्रभावित, कंपनियां वैकल्पिक बाजार तलाश रही;
PLI स्कीम पर सवाल, निर्यात विविधीकरण की जरूरत

नई दिल्ली: अमेरिका ने भारतीय सोलर सेल और मॉड्यूल आयात पर 126% की प्रारंभिक एंटी-डंपिंग और काउंटरवेलिंग ड्यूटी लगाने का फैसला किया है। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स ने इसकी घोषणा की, जिससे भारतीय सोलर इंडस्ट्री को बड़ा झटका लगा है। यह ड्यूटी 2025 में भारत से हुए 1.5 GW से अधिक सोलर निर्यात को प्रभावित करेगी।

अमेरिकी जांच में आरोप लगाया गया कि भारतीय कंपनियां सब्सिडी और डंपिंग के जरिए सस्ते दामों पर सोलर प्रोडक्ट्स बेच रही हैं, जिससे अमेरिकी मैन्युफैक्चरर्स को नुकसान हो रहा है। इस ड्यूटी से भारतीय सोलर उत्पादों की कीमत अमेरिकी बाजार में 2-3 गुना बढ़ जाएगी, जिससे निर्यात लगभग रुक सकता है।

सोलर सेक्टर के प्रमुख संगठन NSEFI और SEIA ने इस फैसले पर गहरा दुख जताया है। NSEFI के प्रेसिडेंट ने कहा, यह फैसला भारत की PLI स्कीम और मेक इन इंडिया प्रयासों पर सवाल उठाता है। हमें अब मध्य पूर्व, अफ्रीका और दक्षिण एशिया जैसे वैकल्पिक बाजारों पर फोकस करना होगा। भारत में सोलर मैन्युफैक्चरिंग क्षमता 100 GW से अधिक हो चुकी है, लेकिन घरेलू मांग अभी 30-35 GW के आसपास है। अतिरेक से पहले ही कीमतें गिर रही थीं, अब अमेरिकी ड्यूटी से निर्यात मार्केट सिकुड़ने से कंपनियां संकट में आ सकती हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार को निर्यात प्रोत्साहन, नए बाजारों में ट्रेड प्रमोशन और ड्यूटी से बचाव के लिए डिप्लोमैटिक प्रयास बढ़ाने होंगे। यह झटका भारत के 2030 तक 500 GW रिन्यूएबल लक्ष्य को प्रभावित कर सकता है, क्योंकि निर्यात से कंपनियों को फंडिंग और स्केल मिलता है।

Textile, Auto Exporters Face Profit Squeeze as Government Halves RoDTEP Refunds

Refund Rate Cut from 0.5-4% to 0.25-2% Hits Margins Hard; Industry Demands Restoration, Warns of Job Losses, and Export Decline

New Delhi: The government's decision to halve the rates under the Remission of Duties and Taxes on Exported Products (RoDTEP) scheme has triggered widespread concern among textile and automobile component exporters, who say the move will severely squeeze profit margins and threaten export competitiveness.

The RoDTEP scheme, introduced in 2021 to refund embedded taxes and duties on exports, has been a critical support for labour-intensive and export-oriented sectors. Effective from January 2026, the government has reduced refund rates across most export items. For textiles (apparel, fabrics, yarns), rates have been cut from 1-4% to 0.5-2%, while auto components and engineering goods now receive 0.25-1.5% instead of 0.5-3%.

The Export Promotion Councils (AEPC for apparel, EEPC for engineering, SIAM for auto) have warned that the reduction comes at a time when exporters are already grappling with high raw material costs, a weak rupee, and rising freight and energy expenses. Margins in textiles are already thin at 4-6%. This cut will wipe out 30-50% of whatever little profit exporters were making, said an AEPC spokesperson.

Auto component exporters, who supply to global OEMs, say the lower refunds will make Indian products less competitive against Vietnam, Bangladesh, and China. The sector, which exported over $20 billion in FY25, fears a 10-15% drop in shipments if competitiveness erodes.

Industry bodies have urged the government to restore the original rates or provide alternative support through higher PLI incentives or interest subvention. They warn that prolonged margin pressure could lead to factory closures, job losses (textiles alone employs over 45 million), and a slowdown in export growth.

The commerce ministry has defended the reduction, stating it is part of fiscal rationalisation and that RoDTEP remains a significant support compared to the earlier MEIS scheme. However, exporters insist that in the current global trade environment marked by rising protectionism the cut is ill-timed.

With India targeting $1 trillion in merchandise exports by 2030, the government will need to balance fiscal prudence with export competitiveness to prevent a slowdown in these critical sectors.

Sh. Pradeep Karambelkar
Founder & Editor

Dr. Irshad Ahmad Khan
Sub-Editor

Sh. Pushpendra Singh
Marketing Officer

Global Volatility Returns: How Indian Markets are Adapting to a Changing World

Global financial markets have entered another phase of uncertainty in 2026. Ongoing geopolitical tensions, fluctuating crude oil prices, shifting trade policies, and election cycles in major economies have once again increased volatility across asset classes. From Wall Street to Asian markets, investors are navigating sharp swings and unpredictable trends. Amid this global turbulence, Indian markets are showing a different kind of resilience.

Volatility in global markets is largely driven by three major factors: geopolitical conflicts, interest rate uncertainty, and energy price fluctuations. Tensions in key regions have disrupted trade routes and created supply-side risks, particularly in energy markets. Oil prices remain sensitive to global developments, and for a country like India, which imports a significant portion of its crude requirements, this directly affects inflation, fiscal balance, and currency stability.

At the same time, global central banks are balancing inflation control with economic growth. The possibility of delayed rate cuts or prolonged higher interest rates has created uncertainty for global investors. Higher rates in developed markets often lead to capital outflows from emerging economies. Historically, such movements have triggered sharp corrections in Indian equities.

However, the Indian market structure in 2026 is far stronger than in previous global crises. One of the most significant changes is the rise of domestic institutional investors and retail participation. Systematic Investment Plans (SIPs) continue to channel steady inflows into mutual funds every month. This consistent domestic liquidity has acted as a cushion whenever foreign investors reduce exposure.

In earlier periods, such as during the 2008 global financial crisis or the 2013 taper tantrum, heavy foreign selling led to deep market corrections in India. Today, the scenario is different. Domestic investors are playing a stabilising role, absorbing volatility, and maintaining market confidence. Even when foreign portfolio investors turn cautious, Indian markets have demonstrated an ability to recover faster than many global peers.

Another factor supporting India is its relatively strong macroeconomic position. The country continues to record healthy GDP growth compared to many developed economies facing slowdown risks. Government spending on infrastructure, manufacturing incentives, and digital transformation is creating a supportive environment for corporate earnings. Sectors such as defence, infrastructure, renewable energy, and manufacturing are attracting both domestic and global interest.

Corporate earnings growth remains a key driver. Unlike earlier periods when liquidity alone pushed markets higher, investors are now closely tracking profitability, balance sheet strength, and order books. Companies with strong fundamentals are outperforming, reflecting a more mature and selective market approach.

That said, challenges remain. A sharp rise in oil prices could pressure inflation and the rupee. Global recession risks may affect exports, especially in sectors like IT and pharmaceuticals. Investors must therefore remain cautious and diversified.

The broader lesson is that volatility is not new however the way Indian markets respond to it has evolved. The growing base of domestic investors, improved regulatory frameworks, and structural economic reforms have made the market more resilient. Instead of reacting with panic, investors are increasingly adopting a long-term perspective.

In conclusion, while global volatility has returned, Indian markets are adapting with greater maturity and stability. Supported by domestic liquidity, structural reforms, and growth momentum, India appears better positioned to navigate global uncertainty. For long-term investors, disciplined investing and focus on fundamentals remain the most effective strategies in a changing world.

Dr. Irshad Ahmod Khan
Sub-Editor

BKT ने कंज्यूमर टायर सेगमेंट में धमाल मचाने की तैयारी: 2030 तक मासिक 10 लाख दोपहिया टायर का लक्ष्य

ट्रैक्टर-ट्रक टायर के बाद अब दोपहिया और पैसेंजर कार टायर पर फोकस; नए प्लांट्स, लोकल प्रोडक्शन और ब्रांडिंग से बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने की रणनीति

मुंबई: बालकृष्ण टायर्स (BKT) अब ट्रैक्टर और ट्रक टायर से आगे बढ़कर कंज्यूमर टायर सेगमेंट में जोरदार एंट्री करने जा रही है। कंपनी ने घोषणा की है कि वह 2030 तक मासिक 10 लाख दोपहिया टायर का उत्पादन करने का लक्ष्य रखती है। इसके साथ ही पैसेंजर कार और दोपहिया वाहनों के लिए नए टायर रेंज लॉन्च करने की योजना है।

बीकेटी के एमडी अरविंद मेहता ने कहा, हमारा मुख्य बिजनेस ऑफ-हाईवे टायर रहा है, लेकिन अब हम भारत के बढ़ते दोपहिया और कार बाजार में मजबूत उपस्थिति बनाना चाहते हैं। हम लोकल प्रोडक्शन बढ़ा रहे हैं और नए प्लांट्स लगा रहे हैं। कंपनी भुज और भादसोन में मौजूदा प्लांट्स की क्षमता बढ़ा रही है और एक नया प्लांट तमिलनाडु या आंध्र प्रदेश में लगाने पर विचार कर रही है।

भारत में दोपहिया टायर बाजार सालाना 15-18% बढ़ रहा है। बीकेटी का लक्ष्य 2030 तक इस सेगमेंट में 8-10% बाजार हिस्सेदारी हासिल करना है। कंपनी ने कहा कि नए टायर हाई-परफॉर्मेंस, लंबी उम्र और कम रोलिंग रेसिस्टेंस वाले होंगे, जो EV और हाइब्रिड दोपहिया के लिए भी उपयुक्त होंगे।

विशेषज्ञों का मानना है कि बीकेटी की यह रणनीति MRF, अपोलो और CEAT जैसी कंपनियों को चुनौती देगी। कंपनी का फोकस निर्यात के साथ घरेलू बाजार पर भी रहेगा। यह कदम भारत के ऑटो टायर सेक्टर में नई प्रतिस्पर्धा लाएगा और उपभोक्ताओं को बेहतर विकल्प देगा।

Haryana Forms High-Level Panel to Probe Unauthorised Fund Transfers from IDFC First Bank & AU Small Finance Bank

State Government Orders Probe into Alleged Fraudulent Transactions; Panel to Submit Report in 60 Days, Banks Face Scrutiny Over Compliance & Security Lapses

Chandigarh: The Haryana government has constituted a high-level committee to investigate unauthorised fund transfers reported from accounts held with IDFC First Bank and AU Small Finance Bank. The decision follows a series of complaints from depositors across the state alleging fraudulent withdrawals and transfers without their knowledge or consent.

The five-member panel, headed by a retired IAS officer and including representatives from the state finance department, police cyber cell, RBI regional office, and legal experts, has been given 60 days to submit its findings. The committee will examine the nature and scale of the irregularities, identify systemic failures, assess the role of bank officials, and recommend corrective and punitive measures.

The probe comes amid growing concerns over rising digital banking frauds in Haryana, where UPI-linked and internet banking transactions have surged. Preliminary reports suggest the unauthorised transfers involved phishing attacks, SIM swap frauds, and possible insider collusion. Affected customers have reported losses ranging from ₹50,000 to several lakhs.

Both IDFC First Bank and AU Small Finance Bank have stated they are cooperating fully with the investigation and have initiated internal reviews. We have zero tolerance for fraud and are strengthening our security protocols, a spokesperson for IDFC First Bank said. AU Small Finance Bank echoed similar assurances.

The Haryana government has urged account holders to remain vigilant, enable two-factor authentication, and report suspicious activity immediately. The panel's findings could lead to stricter compliance norms for banks operating in the state and possible compensation mechanisms for victims.

As digital payments continue to dominate in India, with UPI transactions crossing 18 billion monthly, such incidents highlight the urgent need for enhanced cybersecurity and consumer protection in the banking sector. The outcome of the probe will be closely watched by regulators and depositors alike.

Voltas Plans 5-15% AC Price Hike in 2025 Amid Rising Input Costs

Higher Copper, Aluminium and Component Prices Squeeze Margins; Summer Demand May Offset Impact, but Affordability Concerns Loom

Mumbai: Voltas Ltd, India's largest air-conditioner manufacturer, is planning to increase prices of its room air-conditioners by 5-15% this year to offset persistent cost pressures. The company cited sharp rises in key raw materials copper (up over 25% in the past year), aluminium, and imported components as the primary reasons for the impending revision.

In a recent investor interaction, Voltas Managing Director Pradeep Bakshi said the company had absorbed much of the input cost inflation in 2025 through operational efficiencies and supply chain optimisation. However, with commodity prices remaining elevated and no immediate relief in sight, a moderated price adjustment is unavoidable, he stated. The hike will be rolled out in phases, likely starting before the peak summer season in March-April.

Voltas, which commands around 22-24% share in India's room AC market, expects the price increase to be partially cushioned by strong seasonal demand. The Indian AC industry has grown at 12-15% annually in recent years, driven by rising urbanisation, hotter summers, and increasing penetration in tier-2 and tier-3 cities.

Industry analysts say the price hike may dampen volume growth slightly in the mass segment, where affordability remains a key concern. However, premium and inverter Acs where Voltas has strong presence are expected to continue their robust performance. The company is also pushing energy-efficient models to align with rising consumer preference for lower electricity bills. With India's AC penetration still below 10% in households, the industry outlook remains structurally strong despite short-term cost headwinds.

HCL, Foxconn Likely to Build Semiconductor Skilled Workforce: Roshni Nadar Malhotra

HCL Chairperson Highlights Joint Efforts to Create Skilled Workforce; India's Semiconductor Ambition Gains Momentum with Global Partnerships

Pune: HCL Chairperson Roshni Nadar Malhotra has revealed that HCL Group and its partner Foxconn are actively working to build a robust talent pipeline for India's emerging semiconductor industry. Speaking at a technology leadership forum, she said the collaboration will focus on skilling thousands of engineers and technicians to support the country's ambitious chip manufacturing goals.

Semiconductor is a highly specialised field requiring deep expertise in design, fabrication, testing, and packaging. HCL and Foxconn are jointly developing training programmes, academic partnerships, and hands-on labs to create a sustainable talent ecosystem, Nadar Malhotra stated. The initiative is expected to include collaborations with IITs, NITs, and vocational institutes to offer specialised courses in semiconductor physics, chip design, and advanced manufacturing.

India is aggressively pursuing semiconductor self-reliance through the ₹76,000 crore India Semiconductor Mission. Foxconn, a global leader in electronics manufacturing, has signed multiple MoUs with the government and state authorities to set up display and chip-related facilities. HCL, with its strong engineering services background, is positioned to play a key role in design, testing, and talent development.

Industry experts view the talent initiative as critical, given the global shortage of skilled semiconductor professionals. India currently has only around 20,000 engineers trained in chip design and fabrication, far short of the estimated 85,000 needed by 2030 to support planned fabs.

Nadar Malhotra emphasised that the programme will not only serve HCL-Foxconn projects but also contribute to the broader ecosystem. This is about nation-building. We want to create a workforce that powers India's semiconductor journey for decades, she added.

The announcement comes as India aims to establish its first commercial semiconductor fab by 2027-28.

Tata Steel's Rs 3,200-Crore Ludhiana Plant to Start Operations in March

Advanced Long Products Facility to Boost Specialty Steel Output; Targets Automotive, Construction, and Infrastructure Demand with High-Value Grades

Ludhiana: Tata Steel has announced that its ₹3,200-crore greenfield long products plant in Ludhiana, Punjab, will commence commercial operations in March 2026. The facility, part of the company's strategy to expand in high-margin specialty steel, is designed to produce 1 million tonnes per annum (MTPA) of advanced long products, including wire rods, rebars, and special bar quality (SBQ) steel.

The plant features state-of-the-art rolling mills, advanced heat treatment lines, and automated quality control systems, enabling production of high-strength, corrosion-resistant, and customised grades. It will cater primarily to the automotive, construction, infrastructure, and engineering sectors, where demand for premium long products is growing rapidly due to India's infrastructure boom and increasing vehicle production.

Tata Steel's Managing Director T.V. Narendran said, The Ludhiana plant marks a significant step in our value-added product journey. It will help us serve customers better with faster delivery, superior quality, and sustainable manufacturing. The facility incorporates energy-efficient technologies and has achieved over 70% localisation in equipment and raw materials, aligning with the Make in India initiative.

The project is expected to create around 2,000 direct jobs and support thousands more in the supply chain ecosystem. It will also enhance Tata Steel's overall long products capacity, which currently stands at over 7 MTPA across various locations.

Analysts view the commissioning as a positive trigger for the company, especially amid rising domestic steel demand and premiumisation trends. The plant's proximity to northern markets will reduce logistics costs and improve service levels.

With India's steel consumption projected to grow 7-9% annually, the Ludhiana facility strengthens Tata Steel's position in the high-growth long products and specialty steel segments, supporting both domestic self-reliance and export potential.

Torrent Group Enters Diagnostics Business with Launch of New Lab in Navi Mumbai

Torrent Diagnostics Opens State-of-the-Art Facility to Strengthen Healthcare Footprint; Aims to Capture Growing Demand in Pathology and Preventive Testing

Mumbai: The Torrent Group, known for its dominance in pharmaceuticals and power sectors, has made a strategic entry into the diagnostics business with the inauguration of its first laboratory under the brand Torrent Diagnostics in Navi Mumbai. The new facility, spread across 25,000 square feet, was formally opened by Torrent Group Chairman Sudhir Mehta and Managing Director Samir Mehta.

The lab is equipped with advanced automated analysers, next-generation sequencing capabilities, and AI-assisted reporting systems, enabling a comprehensive menu of over 3,000 tests, including routine pathology, molecular diagnostics, histopathology, and preventive health packages. It is designed to serve both walk-in patients and partner hospitals with fast turnaround times and high accuracy.

This is a natural extension of our commitment to healthcare excellence, said Sudhir Mehta during the launch. Diagnostics is a critical pillar of preventive and curative care, and we aim to deliver world-class quality at affordable prices across urban and semi-urban markets.

The Navi Mumbai lab is the first in a planned nationwide network. Torrent Diagnostics intends to open 10-12 regional reference labs and 100+ collection centres over the next three years, targeting cities with high population density and limited access to reliable diagnostic services.

The Indian diagnostics market, valued at over ₹80,000 crore, is growing at 12-15% annually, driven by rising chronic diseases, health awareness, and insurance penetration. Torrent's entry adds a strong new player to a sector dominated by Dr Lal PathLabs, Thyrocare, and Metropolis.

Industry analysts welcomed the move, noting Torrent's strong brand trust in pharmaceuticals and its financial muscle could help it scale rapidly.

With India's healthcare expenditure projected to double by 2030, Torrent Diagnostics' launch signals the group's intent to become a major integrated player in the sector.

भारती एयरटेल ₹20,000 करोड़ निवेश करेगी, नई NBFC आर्म को मजबूत बनाएगी

एयरटेल पेमेंट्स बैंक से NBFC में विस्तार, डिजिटल लेंडिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज में तेजी; 2027 तक 1 करोड़ ग्राहकों का लक्ष्य

नई दिल्ली: भारती एयरटेल ने अपनी नई गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (NBFC) आर्म को बड़े पैमाने पर मजबूत करने के लिए ₹20,000 करोड़ का निवेश करने का ऐलान किया है। यह निवेश कंपनी की डिजिटल फाइनेंशियल सर्विसेज को अगले स्तर पर ले जाएगा। एयरटेल ने हाल ही में पेमेंट्स बैंक को NBFC में बदलने की प्रक्रिया शुरू की है, ताकि वह लोन, इंश्योरेंस, म्यूचुअल फंड और अन्य फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स दे सके।

एयरटेल के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने कहा, हमारा लक्ष्य भारत के 1 अरब से अधिक मोबाइल यूजर्स को एक ही प्लेटफॉर्म पर फाइनेंशियल सर्विसेज देना है। यह निवेश हमें डिजिटल लेंडिंग, माइक्रोफाइनेंस और क्रेडिट कार्ड सेगमेंट में मजबूत बनाएगा। कंपनी ने कहा कि 2027 तक इस NBFC आर्म के जरिए 1 करोड़ से अधिक ग्राहकों तक पहुंचने का लक्ष्य है।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक पहले से ही 30 करोड़ से अधिक ग्राहकों को UPI, वॉलेट और रिचार्ज सर्विसेज दे रहा है। NBFC में बदलाव के बाद यह लोन और क्रेडिट प्रोडक्ट्स भी ऑफर कर सकेगा। निवेश का बड़ा हिस्सा टेक्नोलॉजी, AI-बेस्ड क्रेडिट स्कोरिंग और रिस्क मैनेजमेंट में जाएगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि एयरटेल का यह कदम फिनटेक और बैंकिंग सेक्टर में नई प्रतिस्पर्धा लाएगा। पेटीएम, फोनपे और अन्य फिनटेक कंपनियों के साथ मुकाबला बढ़ेगा। यह निवेश भारत की डिजिटल फाइनेंशियल इंक्लूजन और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को मजबूत करेगा।

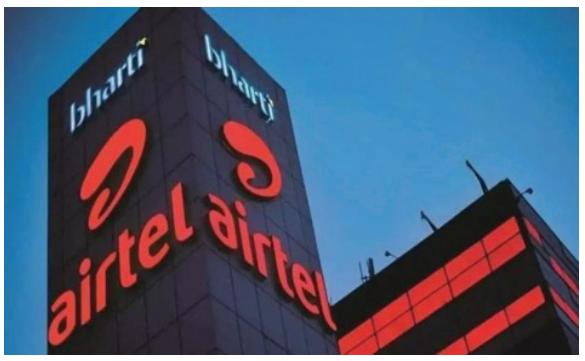

समवर्धन मदरसन ने सानंद में ऑटोमोटिव लाइटिंग प्लांट का उद्घाटन किया

500 करोड़ रुपये का नया प्लांट, 1,000+ रोजगार सृजन; EV और प्रीमियम वाहनों के लिए हाई-टेक लाइटिंग, गुजरात में ऑटो हब को नई ताकत

अहमदाबाद: समवर्धन मदरसन इंटरनेशनल लिमिटेड (Motherson Group) ने गुजरात के सानंद में अपने नए ऑटोमोटिव लाइटिंग प्लांट का उद्घाटन कर दिया। यह प्लांट 500 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया गया है और यह कंपनी की भारत में बढ़ती ऑटोमोटिव लाइटिंग क्षमता का महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्लांट का उद्घाटन कंपनी के चेयरमैन विवेक चंद्रशेखरन और गुजरात सरकार के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में हुआ।

यह नया प्लांट हाई-टेक LED हेडलैंप्स, टेल लैंप्स, डे-टाइम रनिंग लाइट्स और एडवांस्ड लाइटिंग सिस्टम का उत्पादन करेगा। यह विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों (EV), प्रीमियम कारों और SUV के लिए डिजाइन किया गया है। कंपनी का दावा है कि प्लांट में ऑटोमेशन और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है, जिससे उत्पादन दक्षता और गुणवत्ता में सुधार होगा।

समवर्धन मदरसन के एमडी विवेक चंद्रशेखरन ने कहा, यह प्लांट हमारी 'मेक इन इंडिया' प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम भारतीय और वैश्विक ऑटोमेकर्स को विश्व स्तरीय लाइटिंग सॉल्यूशंस उपलब्ध कराएंगे। प्लांट से 1,000 से अधिक प्रत्यक्ष और हजारों अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे।

गुजरात ऑटोमोटिव हब के रूप में तेजी से उभर रहा है। टाटा, फोर्ड और कई अन्य कंपनियों के प्लांट यहां हैं। यह नया प्लांट सानंद को और मजबूत बनाएगा। कंपनी का लक्ष्य 2030 तक भारत में ऑटो लाइटिंग में 30% बाजार हिस्सेदारी हासिल करना है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह निवेश भारत के EV और ऑटो सेक्टर में तेज विकास को समर्थन देगा। यह कदम कंपनी की भारत में विस्तार रणनीति का हिस्सा है।

MPBIL/2013/49052
INVESTMENT AVENUES®
(इन्वेस्टमेंट एवेनयुस)
(A Publication of Vision Invest Tech Pvt. Ltd.)

INVESTMENT AVENUES
CALL FOR ARTICLES
Share Your Knowledge with INVESTMENT AVENUES
We invite individual, professionals, and entrepreneurs to contribute their expertise and experiences.
- STOCK MARKET
- MUTUAL FUNDS
- REAL ESTATE
- STARTUPS & ENTREPRENEURSHIP

Guidelines:
1. Article must be original
2. Submit in MS Word format
3. Length should not exceed 500 words

editor@investmentavenues.in
write with us, inspire others, and make your voice heard in the world of investments!

INVESTMENT AVENUES®
Looking To Invest In Real Properties & Valued Businesses In BhopaL
Discover genuine real estate and well-assessed business opportunities — safe-to-invest and growth-oriented.
Secure Deals. Smart Investments.
EMAIL: INVESTMENTAVENUES90@GMAIL.COM
CONTACT: +91 73899 26586

WEEKLY STOCK PIVOT LEVEL

Anil Bhardwaj
Technical Head
anil.stockcare@gmail.com

AII level indicated above are based on future prices PP: Pivot Point: This is TRIGGER POINT for buy/sell Based on the price range of the previous Month, R1: Resistance one: 1st Resistance over PP; R2: resistance Two: 2nd Resistance over R1; S1: Support one: 1st support after PP; S2: Support Two: 2nd support after S1

• As per tool, trader should take Buy position just above pp and keep the stop loss of PP and 1st target would be R1
• If R1 is crossed then R2 becomes the next target with the stop loss at R1
• If R2 is crossed then R3 becomes the next target with the stop loss at R2.
• Similarly, if price goes below PP the trader should SELL price below PP as stop loss and the first target would be S1,
• If S1 is crossed then S2 becomes the next target with the stop loss at S1,
• If S2 is crossed then S3 becomes the next target with the stop loss at S2.

Stock Name	closing	R3	R2	R1	PP	S1	S2	S3
NIFTY	25179	26215	25993	25586	25364	24957	24735	24328
BANK NIFTY	60529	62296	61907	61218	60829	60140	59751	59062
SENSEX	82249	84729	84108	83178	82557	81627	81006	80076
FINNIFTY	27870	29078	28820	28345	28087	27612	27354	26879
MIDCAP	13491	14042	13858	13674	13490	13306	13122	12938
ACC	1591	1666	1649	1620	1603	1574	1557	1528
AXISBANK	1384	1426	1416	1400	1390	1374	1364	1348
ABCAPITAL	340	376	368	354	346	332	324	310
BHARTIARTL	1882	2095	2048	1965	1918	1835	1788	1705
BHEL	264	283	275	270	262	257	249	244
BEL	390	418	409	400	391	382	373	364
BIOCON	443	472	461	452	441	432	421	412
CDSL	1271	1393	1368	1319	1294	1245	1220	1171
DATAPATTERN	3198	3684	3496	3347	3159	3010	2822	2673
ESCORTS	3519	3843	3746	3633	3536	3423	3326	3213
EICHERMOTOR	8014	18022	13123	10569	5670	3116	-1783	-4337
FEDERAL BANK	299	319	310	305	296	291	282	277
GRINFRAPOJECT	955	1038	1014	985	961	932	908	879
HDFCBANK	888	959	943	916	900	873	857	830
HCLTECH	1382	1562	1502	1442	1382	1322	1262	1202
HINDUNILVR	2340	2444	2415	2378	2349	2312	2283	2246
HAL	3910	4323	4237	4073	3987	3823	3737	3573
HYUNDAI	2173	2424	2362	2268	2206	2112	2050	1956
IOC	187	208	198	193	183	178	168	163
ICICIBANK	1380	1434	1422	1401	1389	1368	1356	1335
INFY	1299	1434	1393	1346	1305	1258	1217	1170
ITC	314	339	333	324	318	309	303	294
KOTAKBNK	416	445	439	427	421	409	403	391
LICHOUSING	542	586	569	555	538	524	507	493
LT	4270	4609	4525	4397	4313	4185	4101	3973
LUPIN	2296	2477	2407	2351	2281	2225	2155	2099
MARUTI	14810	15500	15362	15086	14948	14672	14534	14258
M&M	3400	3602	3555	3477	3430	3352	3305	3227
MGL	1221	1358	1296	1258	1196	1158	1096	1058
MAZGAONDOC	2225	2480	2425	2325	2270	2170	2115	2015
PFC	412	444	435	424	415	404	395	384
RECLTD	349	367	362	356	351	345	340	334
RELIANCE	1394	1480	1461	1427	1408	1374	1355	1321
SBIN	1200	1273	1254	1227	1208	1181	1162	1135
SUNPHARMA	1743	1855	1824	1783	1752	1711	1680	1639
SHRIRAMFINANCE	1080	1167	1137	1109	1079	1051	1021	993
TITAN	4330	4493	4423	4376	4306	4259	4189	4142
TCS	2640	2852	2778	2709	2635	2566	2492	2423
TATAMOTORS	383	416	405	394	383	372	361	350
UPL	634	786	751	692	657	598	563	504
VALIENT	231	262	254	243	235	224	216	205
WIPRO	201	222	217	209	204	196	191	183

गोल्ड ETF में रिकॉर्ड ₹240 अरब का इनफ्लो: निवेशक इक्विटी से निकलकर सोने की ओर बढ़े

2025 में शेयर बाजार की अस्थिरता से बचाव, गोल्ड ETF अब सबसे तेज बढ़ता निवेश विकल्प; रिटेल निवेशकों में भरोसा चरम पर

भोपाल: भारत में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (Gold ETF) में निवेश ने नया रिकॉर्ड बनाया है। AMFI के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 2025 में गोल्ड ETF में कुल ₹240 अरब (24,000 करोड़ रुपये) का इनफ्लो हुआ, जो पिछले वर्ष की तुलना में कई गुना अधिक है। यह निवेशक इक्विटी बाजार की अस्थिरता से बचने और सोने को सुरक्षित निवेश के रूप में देखने का स्पष्ट संकेत है।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, महंगाई की आशंका और वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों ने गोल्ड ETF को प्राथमिकता दी। सोने की कीमतें 2025 में 30% से अधिक बढ़ीं, जिससे गोल्ड ETF ने औसत 25-28% रिटर्न दिया। निप्पॉन इंडिया, SBI, HDFC और UTI जैसे प्रमुख फंड हाउसों के गोल्ड ETF में सबसे ज्यादा इनफ्लो आया। रिटेल निवेशकों की हिस्सेदारी 60% से अधिक रही।

विशेषज्ञों का कहना है कि गोल्ड ETF फिजिकल गोल्ड की तुलना में सुरक्षित, कम लागत वाला और आसानी से ट्रेड करने योग्य है। यह डिजिटल निवेश का चलन भी दर्शाता है। गोल्ड ETF का नेट AUM अब ₹1.84 लाख करोड़ के पार पहुंच चुका है, जो 2024 के मुकाबले 540% की वृद्धि है। यह कैटेगरी अब म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में सबसे तेज बढ़ती श्रेणी बन गई है।

2026 में भी यह ट्रेंड जारी रहने की उम्मीद है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं और रुपये की कमजोरी सोने को आकर्षक बनाए रखेंगी। निवेशकों के लिए गोल्ड ETF अब पोर्टफोलियो में विविधता और सुरक्षा का प्रमुख साधन बन चुका है। यह आंकड़ा भारत में सोने के प्रति बढ़ते भरोसे और डिजिटल निवेश के युग को दर्शाता है।

Disclaimer: This content is for educational purposes only. Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions.Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions.

प्रकाशक एवं मुद्रक: प्रदीप कारबेलकर, सी-101, नेहरू नगर स्वत्वाधिकार द इन्वेस्टमेंट एवेन्यूज प्रा.लि., इ-4, अरेरा कॉलोनी, भोपाल, मध्य प्रदेश 462016, से प्रकाशित एवं DigitalLok, सागर हाई स्ट्रीट, अयोध्या बायपास रोड, डी मार्ट के पास, भोपाल, (म.प्र.) - 462010। संपादक: प्रदीप कारबेलकर (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा)। फोन: +9198262 23075 वेबसाइट: www.investmentavenues.in